Press Information Bureau
पत्र सूचना कार्यालय
Government Of India
भारत सरकार

डक्कन हेराल्ड, बंगलौर
गुरुवार, 03 मार्च, 2011, पृ: 6
चौड़ाई ; 20.53 सेमी ; उंचाई : 21.89 सेमी.

यह आंगनवाड़ी केंद्र बाल देखरेख के क्षेत्र में एक प्रतिमान है

दानदाताओं और संगठनों की सहायता से सुविधाओं का सृजन

नैना जे ए

मंगलौर : देश में स्थित अधिकतम आंगनवाड़ियां जीर्ण-शीर्ण दशा में हैं, जो कि शोचनीय है । बहुसंख्यक आंगनवाड़ियों के कमरे अत्यंत गंदे होते हैं । इनमें हवा, प्रकाश तथा साफ-सफाई की व्यवस्था नाममात्र की होती है अथवा होती ही नहीं ।

लेकिन, बंटवाल तालुक के अंतर्गत करियांग्ला ग्राम पंचायत के ग्राम-अमुंजे, जिला-बरिंजे में एक आंगनवाड़ी केंद्र अपने आप में एक मिसाल है । उक्त जिले में स्थित इस आंगनवाड़ी को सफाई की दृष्टि से 'सर्वश्रेष्ठ आंगनवाड़ी केन्द्र' के रूप में स्वीकारा गया है ।

यहां पर पीने के लिए स्वच्छ जल हेतु जल-शोधक उपकरण, एक मछली घर (एक्वेरियम) तथा एक बालोनुकूल शौचालय की व्यवस्था है । गांव वालों की सहायता से यह आंगनवाड़ी केन्द्र एक आदर्श आंगनवाड़ी का रूप ले चुका है, जहां अनेकों बालोनुकूल सुविधाएं उपलब्ध हैं ।

यहां सफाई को वरीयता दी जाती है । इस केन्द्र में नन्हें-नन्हें बच्चों को साफ-सफाई सिखाई जाती है । जब इन बच्चों से सफाई के बारे में कुछ बोलने को कहा गया तो सभी बच्चों ने कहा, "शौचालय बनवाओ, बीमारी भगाओं, शौचालय बनवाओ ।"

शौचालय की दीवारें मिकी माउस, डोनाल्ड डक तथा अन्य कार्टूनों से सज्जित हैं । आंगनवाड़ी सहायिका शैचालय की सफाई तथा देखभाल करती है । बाल विकास समिति के अध्यक्ष, अबूबक्कर ने डक्कन हेराल्ड को बताया कि शौचालय के बाहर वाश बेसिन बनाया गया है, जहां साबुन रखा जाता है, ताकि बच्चों में शौचालय के उपयोग के पश्चात हाथ धोने की आदत विकसित हो सके ।

कक्षा के अन्दर एक वाश बेसिन है तथा वहां लिक्विड सोप उपलब्ध है । बच्चों को सिखाया जाता है कि वे कुछ भी खाने से पहल लिक्विड सोप से अपने हाथ धोएं । वाश बेसिन के पास एक छोटी रूमाल रखी होती है, जिससे कि बच्चे इसका भी प्रयोग करना सीखें ।

इस आंगनवाड़ी केन्द्र के कमरों की दीवारों पर महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस, डा. राधाकृष्णन, श्री लाल बहादुर शास्त्री और डा.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे राष्ट्रीय नेताओं के फोटों लगे हैं । नन्हें-नन्हें शिशु प्रत्येक राष्ट्रीय नेता को आसानी से पहचान लेते हैं । यहां फलों, सब्जियों, तितलियों, जानवरों, घरेलू जानवरों, कन्नड वर्णमाला, वाद्य यंत्रों के चार्टों सहित अन्य चार्ट लगाए गए हैं । इसके साथ ही गांव तथा आंगनवाड़ी की झलक दिखाने के लिए गांव का और बंटवाल तालुक, दक्षिण कन्नड़ जिला, कर्नाटक, भारत एवं विश्व के मानचित्र भी दीवारों पर सजाए गए हैं ।

दानदाता

"इस आंगनवाड़ी केंद्र की सभी सुविधाएं गांव के दानदाताओं तथा विभिन्न संगठनों की मदद से जुटाई गई हैं । आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री सुजाता तथा सहायिका मोहिनी ने संगठनों से मदद प्राप्त करने की बागडोर संभाली ।" उन्होंने आगे बताया कि इस आंगनवाड़ी केन्द्र में 23 बच्चे हैं ।

"मैंने इस आंगनवाड़ी केंद्र का विकास गांव के दान दाताओं की सहायता से किया है । इस आंगनवाड़ी केंद्र के निर्माण का मुख्य उद्देश्य 3-6 वर्ष तक की आयु के बच्चों के विकास की जरुरतों को पूरा करना है । स्कूल पूर्व शिक्षा का उद्देश्य बच्चों का समग्र विकास करना तथा उन्हें अधिगम के अनुकूल वातावरण प्रदान करना है, जो बच्चों के सामाजिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक एवं सौन्दर्य विकास में सहायक होता है । बच्चों को बन्द कमरे में बैठाने की बजाए हम उनके विकास हेतु अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं । अतः दानदाताओं की सहायता से इस आंगनवाड़ी केन्द्र में सुविधाएं बढ़ाई हैं ।"

उन्होंने बताया कि बच्चों को खेलने के लिए यहां तरह-तरह के खिलौने उपलब्ध हैं, जिन्हें गांव के दान दाताओं के पैसे से खरीदा गया है ।

इस केन्द्र के रसोईघर में भी रैक बने हैं, ताकि बर्तनों, प्लेटों तथा गिलासों को सुव्यवस्थित रूप से रखा जा सके ।

आंगनवाड़ी की दीवारों पर प्रसूति अरैके कार्यक्रम, जननी सुरक्षा, बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं हेतु टीकाकरण तथा महिलाओं एवं बच्चों हेतु सरकार के अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में ब्यौरे दर्शाए गए हैं ।

आंगनवाड़ी केंद्र में फलदार वृक्ष

नब्बे के दशक की शुरुआत में जब यह आंगनवाड़ी शुरु की गई थी, तो महिला एवं बाल कल्याण विभाग की ओर से एक मेज तथा एक कुर्सी मिली थी । आंगनवाड़ी के परिसर में केला, चेरी, गूजबेरी जैसे फलों के वृक्ष हैं ।

भविष्य की योजनाओं के बारे में अबूबक्कर ने कहा, "मैं आंगनवाड़ी के बच्चें के लिए एक क्रीड़ा स्थल विकसित करना चाहते हैं, जहां बच्चों को खेलने के लिए किण्डर गार्डन हो तथा वहां सी-सॉ, स्विंग एवं मेरी-गो-राउण्ड की सुविधा उपलब्ध हो ।"

डेक्कन हेराल्ड समाचार सेवा